|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 24. August | | | |
| **Fest des heiligen Apostels Bartholomäus** | | | |
| Lesung: Offb 21,9b-14; Evangelium: Joh 1,45-51 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 546, 1-4 | | Christus, du Licht vom wahren Licht |
|  | GL 775, 1-3 | | König ist der Herr |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 154 | | Kyrie |
|  |  | |  |
| Gloria: | 168, 1+2 | | Gloria. Ehre Gott in der Höhe |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 145, 10-13b.17-18 | | |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 76, 1 | | Der Herr ist nahe |
|  | oder | |  |
|  | GL 479, 1-3 | | Eine große Stadt ersteht |
|  | GL 349 | | Geist der Zuversicht |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *Rabbi, du bist der Sohn Gottes,* | | |
|  | *du bist der König von Israel.* | | |
|  |  |  | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 183 | Dir, Vater, Lobpreis werde | |
|  | GL 184 | Herr, wir bringen in Brot und Wein | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 196 | Heilig | |
|  |  |  | |
| Agnus Dei: | GL 204 | Christe, du Lamm Gottes | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 380, 1+4 | Großer Gott | |
|  | GL 484, 1+4-6 | Dank sei dir, Vater | |
|  | GL 489, 1-3 | Lasst uns loben | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 542, 1+4 | Ihr Freunde Gottes | |
|  | GL 478, 3+4 | Die Kirche ist erbauet | |